(ग) 1984-85, 1985-86 और 1986-87 के दौरान दिल्ली में इंडियन आयल कारपोरेशन के एल पी जी वितरकों द्वारा क्रमश : 88,52 और 49 मामले पकड़े गए ।

(घ) और (ङ) वर्तमान लागू पद्धति को देखते हुए सी बी आई द्वारा जांच करवाने का कोई प्रस्ताव नहीं है ?

Long term oil plan

307. SHRI B. NARAYANASAMY: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have formulated any long term oil plan to meet the increasing demands in the coming years;

(b) if so, what are the main features of the said plan; and

(c) whether it has been put into implementation?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI (BRAHM DUTT): (a) and (b) Both Oil & Natural Gas Commission (ONGC) and Oil India Ltd. (OIL) have prepared long-term plans. 20 years Perspective Plan of ONGC (1985-2005) indicates long-term exploration and exploitation strategy of hydrocarbons in order to meet the growing demand for hydrocarbons in the country.

The Corporation Plan of OIL (1985-86-1990-91) aims *inter-alia* at maintaining existing level of crude oil production from the ageing fields in Assam, developing new fields/ tools for commercial production, intensification in exploratory efforts etc.

(c) These plans are currently under implementation.

यमुनापार क्षेत्र के लिए खाना पकाने की गैस के सिलण्डरों की आवश्यकता

308. **श्री सुनील कुमार पटनायक** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली के यमुना-पार क्षेत्र के लिए खाना पकाने की गैस के सिलेण्डरों की अनुमानित मासिक आवश्यकता कितनी है ;

(ख) इस समय दिल्ली में विभिन्न बाटलिंग संयंत्रों द्वारा प्रत्येक महीने कितने गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की जाती है ;

(ग) क्या खाली सिलेण्डरों के स्थान पर भरे हुए सिलेण्डर दिये जाने में कोई विलम्ब होता है ;

(घ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ङ) यदि नहीं, तो गैस बुक करवाने के पश्चात घरेलू वितरकों द्वारा भरे हुए सिलेन्डर बुक करवाने के सात से दस दिनों के बाद दिए जाने के क्या कारण हैं; और

(च) सरकार दिल्ली में गैस आपूर्ति की स्थिति नई दिल्ली के समान बनाने के लिए क्या कार्यवाही कर रही है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री और वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ब्रह्म दत्त) : (क) यमुनापार क्षेत्र में औसतन प्रति माह लगभग 1,04,250 एल० पी० जी० सिलिंडर की आवश्यकता होती है ।

(ख) लगभग 6,80,000 सिलिंडर प्रतिमाह ।

(ग) से (च) कार्यात्मक तथा परिवहन की अड़चनों, मांग में मौसमी वृद्धि आदि के कारण कभी-कभी एल० पी० जी० रिफिलों की सप्लाई में बैकलॉग उत्पन्न हो जाता है । ऐसी परिस्थितियों में मांग को पूरा करने के लिए अन्य साधनों से सप्लाई को बढ़ाने का तेल विपणन कम्पनियों का प्रयास रहता है । बढ़ी